%%A. D. 1190‒1436

%%Ś. 1112‒1358

%%( From 1184—19-9-1264 A. D.)

%%p. 188

No. 122

Lakshmī-Narasiṃha Temple at Siṃhāchalam<1>

( S. I. I. Vol. VI. No. 1141; A. R. No. 360 of 1899;

I. M. P. Vol. III, P. 1685, No. 188 )

Ś 1192<2>

(१।) स्वस्ति [।।] राजानो नागवश्याः शशिविशदय-

(२।) शोव्याप्तदिक्चक्रवाला जातास्तत्र वभूव

(३।) सत्गुणनिधि[ः] श्रीसंक्वनामा नृपः [।] जाया

(४।) तस्य तु जायमेति नृहरे ल्ल(र्ल्ल)क्ष्मीग्वासी-

(५।) त्तयोजा(र्जा)तो गोकमहीपतिः परनृपा-

(६।) हंकारसंहारकः [१] शाकाब्दे भुज-रत्न-

(७।) भू-शशिमिते सोयं नृसिंहात्मनो दी-

(८।) पद्वंद्वकृते ध(द)दौ वरगवां पंचोत्तरां

(९।) विंशति । छागांश्चापि वियतशरैस्सुग-

(१०।) णितान् श्रीदीपदडद्वयं श्रीसिहाद्रि-

(११।) महामुनींद्रपुरतो गोत्राभिवृद्ध्यै

(१२।) सदा ।। [२] स्वस्ति श्री [।।] शकवरुष वुलु ११९२

(१३।) [ने]ंटि कुंभ कृष्ण दशमियु शु-

(१४।) क्रवारमुनांडु श्रीमन्महामं-

<1. On the fifty-fourth pillar of the verandah round the central shrine of this temple.>

<2. The corresponding date is the 6th February, 1271 A. D. Friday.>

%%p. 189

(१५।) डलेस्यर संद्यपूंडि संक्यरा-

(१६।) जु कोडुकु गोकराजुलु तम तल्लि जाय-

(१७।) मदेविकि धर्म्मपुगा वंशाभि-

(१८।) वृद्धिगा श्रीनरसिह्यनाथुनिकि

(१९।) अकं(खं)डदीपमु रेंटिकिगां वे-

(२०।) टु मोदालु ईगुवड़ेनु ग रि-

(२१।) यलु एभै ई धम्मवु श्रीवैष्ण-

(२२।) व रक्ष [।।]